ईश्वरीय
खजाना
टीम
Presents

विशेष पुरुषार्थ

तीव्रता से आगे बढ़ने की श्रेष्ठ युक्तियां

यह श्रेष्ठ पुरुषार्थ की
भिन्न भिन्न युक्तियाँ
बाबा की रोज
जैसे मीठी थपकी है
अन्तर्मन में
जो समा ले इसे
जीवन में उसकी सफलता
शत प्रतिशत पक्की है...

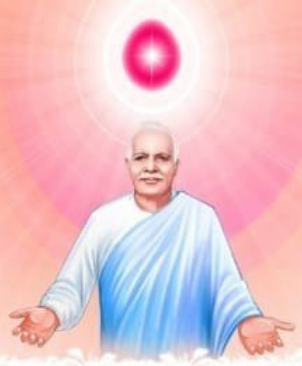

सम्पूर्णता की ओर

अब अपना समय बेहद की सेवाओं में लगाओ तो समस्याएं सहज ही भाग जायेगी। समस्याओं के वशीभूत आत्माओं को गुणों और शक्तियों का सहयोग दो, असमर्थ की समर्थी दो तो उनकी दुआयें आपके लिये लिफ्ट बन जायेगी। सदा प्रसन्न रहना और प्रसन्न करना - यह हैं दुआयें लेना और दुआयें देना। यह दुआयें सहज ही मायाजीत बना देंगी।

श्रेष्ठ प्रेरणा

गणेश जी के एक हाथ में मोदक.. निरंतर मेहनत से प्राप्त सफलता का प्रतीक है... मोदक बनाना मेहनत का कार्य है और खाने में मीठा भी होता है अर्थात् अपने जीवन में सभी गुण, शक्तियां धारण कर उसे श्रेष्ठ बनाने के लिए.. निरंतर मेहनत करने की आवश्यकता होती है और उस मेहनत से प्राप्त सफलता.. मीठे मोदक के समान मीठी होती है।

Avyakt Murli Study!

"अन्तर्मुखी ही सदा बन्धनमुक्त और योगयुक्त"

DATE: 09-10-1981

बाप तो चौपड़े साफ देखने चाहते हैं। थोड़ा भी पुराना खाता अर्थात् बाह्यमुखता का खाता, संकल्प वा संस्कार रूप में न रह जाए। सदा सर्व बन्धनमुक्त और योगयुक्त, इसी बाह्यमुखता के वायुमण्डल को समाप्त करने के लिए इस वर्ष विशेष इशारा दे रहे हैं। सेवा करो, खूब करो लेकिन बाह्यमुखता से अन्तर्मुखी बनकर करो। वह होगा अन्तर्मुखता की सूरत द्वारा। सेवा में बाह्यमुखता में ज्यादा आ जाते हो इसलिए - सेवा अच्छी है, सेवा बहुत करते हैं - सिर्फ यह नाम बाला होता है। बाप इन्हों का बड़ा अच्छा है, बाप ऊंचे ते ऊंचा है - यह प्रत्यक्षता की सफलता कम होती है। इसलिए सुनाया बाह्यमुखता की रिजल्ट - प्रशंसा करेंगे लेकिन प्रसन्नि चत्त नहीं बनेंगे। ''बाप के बन जायें'', यह है प्रसन्नचित्त बनना।

NOTE: आज आप सभी इस मुरली को अवश्य पढ़ें।

Achanak Aur Eveready

आत्मा में पडी खाद कैसे निकलती है।

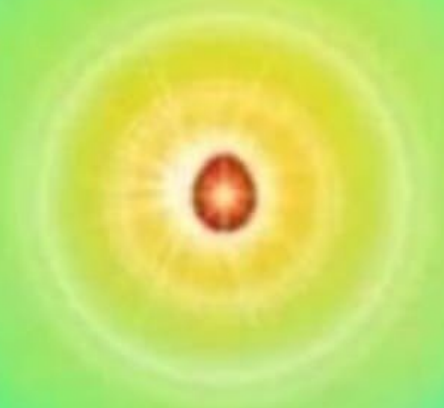

नेगिटिव देखना बंध।
नेगिटिव बोलना बंध।
नेगिटिव सोचना बंध।

हमारा मन रोने लगता है – "मेरी respect नहीं करते,
मुझ से प्यार नहीं करते, मेरी कोई value नहीं ..."

मन को कहें – "वह मुझ से बहुत प्यार करते हैं,
इस राय को धारण करने की उनमें अभी शक्ति नहीं है ..."

हमारे मन का खुश होना, उनको accept करना,
उनके लिए दुआएं और शक्ति बन जाता है।

बाप के साथ का अनुभव अर्थात् ...

बापदादा- 15.03.1999

बाप के साथ का अनुभव, कम्बाइन्ड-पन का अनुभव इमर्ज करो। ऐसे नहीं कि बाप तो है ही मेरा, साथ है ही है। साथ का प्रैक्टिकल अनुभव इमर्ज हो। तो यह माया का वार, वार नहीं होगा, माया हार खा लेगी। यह माया की हार है, वार नहीं है। सिर्फ घबराओ नहीं, क्या हो गया, क्यों हो गया! हिम्मत रखो, बाप के साथ को स्मृति में रखो। चेक करो कि बाप का साथ है? साथ का अनुभव मर्ज रूप में तो नहीं है? नॉलेज है कि बाप साथ है, नॉलेज के साथसाथ बाप की पावर क्या है? ऑलमाइटी अथॉरिटी है तो सर्व शक्तियों की पावर इमर्ज रूप में अनुभव करो। इसको कहा जाता है बाप के साथ का अनुभव होना। अलबेले नहीं बन जाओ - बाप के सिवाए और है ही कौन, बाप ही तो है। जब बाप ही है तो वह पावर है? जैसे दुनिया वालों को कहते हो अगर परमात्मा व्यापक है तो परमात्म गुण अनुभव होने चाहिए, दिखाई देने चाहिए। तो बापदादा भी आपको पूछते हैं कि अगर बाप साथ है, कम्बाइन्ड है तो वह पावर हर कर्म में अनुभव होती है?

ओम् शान्ति

“किसी ने हमें डाँटा, कितनी देर में मन ठीक होगा...
Depends on किसने डाँटा
Depends on क्यूँ डाँटा
Depends on कैसे और कितना डाँटा
Depends on किसके सामने डाँटा

हमारे मन के घाव और उनका मरहम
दूसरों के व्यवहार पर निर्भर है...
यह हमारा भ्रम है, सत्य यह है की –
It Depends ONLY and ONLY on ME-”

~BKShivani~

Brahma Kumaris Websites

Main BK website www.shivbabas.org OR www.brahmakumari.org (by SBS team)

Int'l website: www.brahmakumaris.org

India website: www.brahmakumaris.com

BK Sustenance website: www.bksustenance.net

All Data hosted on www.bkdrluhar.com

Murli Websites: babamurli.net and madhubanmurli.org

www.omshantimusic.net

www.bkgoogle.org

www.bksewa.org

www.bkinfo.in

www.bk.ooo

www.brahmakumari.org/centres

NEW www.IshvariyaKhajana.BKhq.org